सूची

क्र.सं.	मद	पृष्ट सं.
1.	मिनट दर मिनट बैठक की कार्यवाही।	2
2.	परिचय एवं उद्देश्य।	3–4
3.	वर्तमान एजेंडा ।	5
4.	प्रेम समूह के सदस्यों एवं विभागाध्यक्षों से प्राप्त सुझाव।	6–10
5.	पिछले प्रेम बैठक (10.07.2019) की कार्यवृत्त पर मदवार टिप्पणी।	11–15

मिनट दर मिनट प्रेम बैठक की कार्यवाही

क्र.सं.	मद	अधिकारी	बजे से	बजे तक
1.	प्रेम ग्रुप के सदस्यों का स्वागत।	उप महाप्रबंधक (सा.)	11.00	11.05
2.	अध्यक्ष/प्रेम ग्रुप द्वारा अध्यक्षीय संबोधन।	महाप्रबंधक	11.05	11.15
3.	प्रेम ग्रुप सदस्य के वक्तागण :–			
	ईसीआरकेयू	अध्यक्ष महासचिव अपर महासचिव सहायक महासचिव	11.15	11.35
	एससी/एसटी एशो0	जोनल अध्यक्ष जोनल सचिव	11.35	11.45
	ओ0बी0सी0 एशो0	जोनल अध्यक्ष जोनल सचिव	11.45	11.55
	ईसीआरपीओए	अध्यक्ष महासचिव	11.55	12.05
	ईसीआरओए	अध्यक्ष महासचिव	12.05	12.15
4.	वर्तमान एजेंडा पर विभागाध्यक्षों द्वारा चर्चा :	सभी विभागाध्यक्ष	12.15	12.45
5.	वर्तमान एजेंडा पर खुली चर्चा।	अध्यक्ष की अनुमति से	12.45	13.28
6.	धन्यवाद ज्ञापन।		13.28	13.30

परिचय

- प्रेम(PREM)–प्रबंधन में रेल कर्मचारियों की भागीदारी
- इसे रेल मंत्रालय स्तर पर वर्ष–1972 में एवं क्षेत्रीय रेल स्तर पर वर्ष–1977 में स्थापित किया गया था।
- भारतीय रेल में यह त्रिस्तरीय आधार पर कार्य करता है।
  1. रेलवे बोर्ड स्तर(श्रम प्रबंधन का कॉरपोरेट इंटरप्राइजेज समूह)
  2. क्षेत्रीय रेल स्तर
  3. मंडल रेल स्तर

रेलवे बोर्ड स्तर

- अध्यक्ष– अध्यक्ष रेलवे बोर्ड
- संयोजक– सचिवरेलवे बोर्ड
- प्रशासन की ओर से–सदस्य रेलवे बोर्ड,सलाहकार एवं कार्यकारी निदेशक
- कर्मचारी कीओर से–एआईआरएफ एवं एनएफआईआर के चार–चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संघ के –दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संघ के–दो प्रतिनिधि

क्षेत्रीय रेल स्तर

- अध्यक्ष– महाप्रबंधक
- सचिव – उप महाप्रबंधक/सामान्य
- प्रशासन की ओर से – अपर महाप्रबंधक एवं सभी प्रधान विभागाध्यक्ष
- कर्मचारी की ओर से –ईसीआरकेयू(प्रभावित यूनियन) के चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संध के –दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संघ के –दो प्रतिनिधि
- एससी/एसटी संध के–दो प्रतिनिधि
- ओबीसी संध के–दो प्रतिनिधि
- आरपीएफ संध के–दो प्रतिनिधि

मंडल रेल स्तर

- अध्यक्ष– मंडल रेल प्रबंधक
- सचिव – वरि0 मंडल कार्मिक अधिकारी /मंडल कार्मिक अधिकारी
- प्रशासन की ओर से –अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं सभी शाख अधिकारी
- कर्मचारी की ओर से –ईसीआरकेयू(प्रभावित यूनियन) के चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संध के–दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संध के –दो प्रतिनिधि

वर्ष 2017 में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 24 मार्च 2017
- द्वितीय बैठक : 24 अगस्त 2017
- तृतीय बैठक : 28 दिसंबर 2017

वर्ष 2018 में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 15 मई 2018
- द्वितीय बैठक : 11 सितंबर 2018
- तृतीय बैठक : 27 नवम्बर 2018

वर्ष 2019 में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 28 जनवरी 2019
- द्वितीय बैठक : 10 जुलाई 2019
- तृतीय बैठक : 21 नवम्बर 2019

उद्देश्य

- रेलवे संगठन की व्यवहारिक कार्यक्षमता को विकसित करने और रेलवे की सेवा प्रदाता संगठन की छवि बनाये रखने के मुख्य उद्देश्य से प्रबंधन मे श्रमिकों की बेहतर और सुव्यवस्थित भागीदारी सुनिश्चित करना।
- रेलवे संगठन के संचालन और गठन करने हेतु विचारों का प्रमाणित एवं निर्वाध रुप से आदान–प्रदान करना।
- निवेश कार्यक्रमों खासकर आवास और कल्याण गतिविधियों का मूल्यांकन।
- नोटः कर्मचारी मामलों पर विमर्श तब तक नहीं हो सकता जब तक कि संगठन को समग्र उत्पादकता के साथ नहीं जोड़ा जाय।

प्रबंधन मे श्रमिकों की भागीदारी

- 1917 में यूनाइटेड किंगडम में **बहीट्ले** समिति ने अनुशंसा की थी कि निम्न के विमर्श के लिए कर्मचारियों को भाग लेने का अवसर देना चाहिएः–
- संगठन, कर्मचारी और समुदाय के सामान्य लाभ के लिए उत्पादकता बढ़ाने हेतु।
- उत्पादकता की प्रक्रिया में कर्मचारी को संगठन में उनकी भूमिका को बेहतर रुप से समझने के लिए।
- औद्योगिक शांति, बेहतर संबंध और सहयोग प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों की स्वयं को अभिव्यक्त करने की इच्छा को संतुष्ट करने के लिए।
- रेलवे में ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों को लंबे समय से साझा बनाते हुए श्रमिकों की भागीदारी निम्न विभिन्न क्षेत्रों के लिए रही हैः–
- कर्मचारी कल्याण निधि समिति
- आवास समिति
- रनिंग रुम सलाहकार समिति
- कैंटीन प्रबंधन समिति
- हॉस्पीटल विजिटिंग समिति
- श्रमिक सलाहकार समिति
- रेलवे इंस्टीट्यूट और क्लब का कार्यकारी समिति
- वर्कशॉप उत्पादकता परिषद्
- इसके अतिरिक्त रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेल और मंडलों में प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी, प्रबंधन और श्रमिकों की सामूहिक उद्यम समूहका गठन कर लिया गया है जिसे अब **प्रबंधन में रेलवे कर्मचारियों की भागीदारी (प्रेम) कहा जाता है।**

चर्चा का विषय

" निजी ऐजेंसियों द्वारा तेजस यात्री गाड़ी के परिचालन के संदर्भ में चर्चा "

वर्तमान एजेंडा पर विभागाध्यक्ष एवं प्रेम ग्रुप के सदस्यों से प्राप्त सुझाव/विचार :

अध्यक्ष/ईसीआरकेयू

''निजी ऐजेंसियों द्वारा तेजस यात्री गाड़ी के परिचालन'' विषय अपने आप में पूर्ण नहीं है क्योंकि यह स्पष्ट नही हो रहा है कि निजी ऐजेंसी किन शर्तो में तेजस यात्री गाड़ी का संचालन करेगी। आज तक किसी भी देश में तीन तरह के सेक्टर है।

(1) प्राइवेट सेक्टर (2) पब्लिक सेक्टर (3) प्राइवेट एवं पब्लिक सेक्टर का ज्वाइंट सेक्टर

100% पब्लिक सेक्टर रेलवे के तेजस यात्री गाड़ी का संचालन निजी ऐजेंसी द्वारा कराया जाना हमलोगो के लिए विचारणीय प्रश्न यह है कि भारत एक लोकतांत्रित देश है ना की राजतांत्रिक देश है। लोकतांत्रित देश में शासक को देश के हर जनता का ख्याल रखना उसकी जिम्मेदारी है। जब आज देश के अंदर बेरोजगार युवाओं की बहुत बड़ी फौज खड़ी है और सरकार ने वादा भी किया था कि मैं नौकरी के अवसर पैदा करूगा लेकिन जिस दिन तेजस यात्री गाड़ी का परिचालन निजी ऐजेंसी से कराई गई वह दिन भारत वर्ष का काला दिवस था।

भारत सरकार जिस तरीके से कार्य कर रही है वह राजतंत्र शासन में किया जाता है न कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के शासन में किया जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर सरकार निजी ऐजेंसी से ट्रेन संचालन करना चाहती है तो उस ऐजेंसी से अपना पूर्ण इंफ्रास्टक्चर भी तैयार करवाना चाहिए। सबकुछ सरकार का और परिचालन निजी ऐजेंसी का।

इस सभा में उपस्थित सभी के बच्चे एवं भारतवर्ष के आम बच्चो का भी भविष्य दुर्भाग्यपूर्ण होगा। इस बात का जबाब सम्पूर्ण देश चाह रहा है कि किस परिस्थितियों में विवश हो कर या किस उदेश्य की पूर्ति के लिए सरकार इस ढ़ग के कदम को उठा रही है। यह सभी बुद्धिजीवियों के लिए विचारणीय प्रश्न है।

महासचिव / ईसीआरकेयू

भारतीय रेलवे द्वारा प्रथम कारपोरेट ट्रेन लखनऊ से नई दिल्ली के तेजस एक्सप्रेस ट्रेन 04 अक्टुबर'2019 को चलाया गया है। यह एक सेमी हाई स्पीड और पूर्णतः वातानुकूलित एक्सप्रेस ट्रेन है। इस रूट पर पहले से स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन के कोचों का आधुनिकीकरण करते हुए ऑटोमैटिक बन्द एवं खुलने वाले दरवाजे ,एअरलाइन्स एअरहोस्टेस की तरह रेलवे एअरहोस्टेस आदि की व्यवस्था की गई है। इसकी अधिकतम गति सीमा 160किमी प्रति घंटा है। इस तेजस एक्सप्रेस के कोचों का जहां रख –रखाव रेलवे कर्मचारियों द्वारा किया जाता है ,पटरिया भी भारतीय रेल का ही है ,स्टेशन मास्टर, ड्राइवर एवं गार्ड भी भारतीय रेलवे का ही है किन्तु परिचालन पूर्णतः निजी हाथों (आईआरसीटीसी) के द्वारा करने हेतु दिया गया है। इसका मतलब सिर्फ मुनाफा कमाने का काम आईआरसीटीसी का होगा।

वर्त्तमान में लखनऊ–नई दिल्ली एवं मुम्बई–अहमदाबाद रूटों पर चलाने की घोषणा चलाने की घोषणा हुई है। इसके अतिरिक्त दिल्ली–मुम्बई,दिल्ली लखनऊ,दिल्ली–जम्मू/कटरा,दिल्ली–हावड़ा, सिकन्दराबाद–दिल्ली ,दिल्ली–चेन्नई ,मुम्बई–चेन्नई, हावड़ा–चेन्नई,आदि व्यस्त रूटों पर पहले निजी हाथों द्वारा तेजस ट्रेनों का परिचालन प्रस्तावित है।

सरकार का यह रवैया यह दर्शाता है कि ये न सिर्फ कर्मचारी विरोधी है बल्कि यात्रियों /आम जनता के भी विरूद्ध है। इससे पूर्व भारतीय रेलवे के कुछ प्रमुख एवं व्यस्ततम रूटों पर पहले से शताब्दी जैसे एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन कम खर्चो एवं यात्रियों को भी कम दरों पर टिकट उपल्बध हो रहा था । भारत ऐसे गरीब एवं मध्य आय वर्गीय यात्रियों के हिसाब से ऐसे ट्रेनों का परिचालन बहुत हद तक सही नहीं है। भारतीय यात्रियों की परिस्थिति को देखते हुए पटरियों को दुरूस्त करना तथा अधिक मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के परिचालन की व्यवस्था करनी चाहिए।

यूनियन का यह मत है कि यदि ऐसी ट्रेनों का परिचालन आवश्यक है तो भारतीय रेलवे से अलग DFCCL की तरह अलग से Infrastructure विकसित कर चलाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

अध्यक्ष /ईसीआरएससी/एसटी एशो0

(1) भरतीय रेल का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। रेल कायाकल्प करने के उद्धेश्य से रेल का निजीकरण किया जा रहा है।तेजस का परिचालन रेलवे के पूर्ण रूप से निजीकरण करने का संकेत है।

(2) सरकारी संसाघन का समुचित उपयोग नहीं होने से और विभागीय लचर कार्य संस्कृति के चलते सरकार की भी मजबूरी है कि देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कोई न कोई कदम उठाये जो राष्ट्रहित में हो।

(3) रेल के निजीकरण करने से पूर्व जनता द्वारा ,जनता के लिए ,चुनी गई जनता के सरकार को देश की जनता को विश्वास में लाना होगा। रेल आज भी अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के प्रति कृतसंकल्प हैं।

(4) मेरा मानना है कि अपने इन्हीं सामाजिक सरोकारो के चलते नो प्राफिट नो लास के सिद्धांत पर कार्य करती चली आ रही रेल अपने रेल कर्मियों के उदासीन और प्रशासनिक कमजोरियों के चलते दिनों–दिन कमजोर होती जा रही है। रेल तल में सामूहिक कार्य –संस्कृति के अभाव में राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मुख्यधारा में धाटे का सौदा बन रही हैं।

(5) तेजस का परिचालन की प्राथमिकता महत्वपूर्ण ट्रेनों को ट्रैक पर रोककर करना कही से भी उचित नहीं है। प्राइवेट ट्रेनों के परिचालन की प्रतिस्पर्धा में तब उचित होती जब निजी कम्पनियां अपने संसाधन पर इन्हें चलाती। संसाधन रेल का और प्रतिस्पर्धा भी रेल से।

महासचिव /ईसीआरएससी/एसटी एशो0

भारतीय रेल की पटरियों एवं संसाधनों पर 130 किमी से 180 किमी की रफ्तार में चलने वाली भारत की पहली निजी क्षेत्र की गाड़ी ''तेजस'' के परिचालन पर अपनी सरकार/भारतीय रेल प्रबंधन की दुरदर्शिता की सराहना करता हूँ।

यह सराहनीय कदम है कि भारत की पहली निजी ट्रेन '' तेजस' एक्सप्रेस ने पहले महीने में 70 लाख रूपये का मुनाफा कमा लिया है। इसके परिचालन पर 3.70 करोड़ के टिकट की ब्रिकी हुई जबकि परिचालन खर्च 3.0 करोड़ आया है। कमाये गये मुनाफे से आईआरसीटीसी 50 रेलवे स्टेशन विकसित करेगी इस प्रकार तेजस के परिचालन देश/बाजार हित में प्रतीत हो रहा है।

संज्ञानस्त हो कि यह 70 लाख का मुनाफा त्यौहार में ट्रैफिक भीड़ के कारण मिला है। मंदी में तेजस का परिचालन खर्च निकालना मुश्किल प्रतीत होता है। इसके लिए और प्रबंधन एवं यात्री हित का ध्यान रखने की आवश्यकता है।

वैश्विक पटल पर भारत का यह तेजस एक दूरगामी प्रभाव डालेगी। तेजस की अपार सफलता की कामना के साथ समाज/देश/रेल हित में निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में लाया जाना आवश्यक है:–

1. निजी एजेंसी के द्वारा तेजस यात्री गाड़ी के परिचालन किया जाना वास्तव में भारतीय रेल में एक नई अध्याय जोड़ा गया है। भारतीय रेल एक व्यवसायी रेल के रूप में महत्व नहीं रखता है, भारतीय रेल सदैव एकता, समानता, रोजगार, संस्कृति ,देश भर में कीमतों को एक पैमाने पर रखने, गांव व शहरों के विकास आदि में भारतीय रेल का जबरदस्त योगदान रहा है। भारतीय रेल रोजगार उपलब्ध कराने में सर्वोच्च रहा है। यह तेजस गांव एवं शहर में रहने वाले सामान्य आमदनी के व्यक्तियों के लिए नहीं बल्कि पूंजीपति/धन्यधान्य से संपन्न वर्ग को सुविधा उपलब्ध कराने की उपक्रम मात्र प्रतीत होता है।
2. कोई खास एजेन्सी भारतीय रेल की पहचान नहीं हो सकती। भारतीय रेल की पहचान बरकार रखना चिंता का विषय है। तेजस का परिचालन हमारे रेल के प्रबंध में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों के क्षमता पर प्रश्न चिंहन लगाता है।
3. भारतीय रेल को जो आज तेजस के सहारे निजी हाथों में सौंपा जा रहा है जिस भारतीय रेल के

कर्मचारी कड़ाके के ठंड, ज्येष्ठ, बैसाख की कड़कड़ाती धूप जिसमें सामान्य लोग बाहर निकलने से बचते है, उस समय भारतीय के सच्चे कर्मचारी अपनी निष्ठा भाव से सुरक्षित एवं संरक्षित तरीके से गाड़ी का परिचालन करने में लगे रहते हैं जिसकी मॉनिटरिंग हमारे मंडल, जोनल एवं रेलवे बोर्ड स्तर के सर्वोच्च अधिकारियों द्वारा किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रबंधन/हमारे नियोक्ता को अपनी कर्मचारियो/अधिकारियों के कार्यक्षता पर भरोसा नहीं रहा, तेजस का परिचालन हमारे प्रबंधन की विफलता का सूचक प्रतीत होता है।

4. हमारे ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे ईम्प्लाईज एशो0 तेजस का परिचालन निजी हाथों मे सौपने का विरोध नहीं करती है बल्कि यह कहना चाहती है कि निजीकरण का तात्पर्य बिल्कुल निजी होना चाहिए, पटरी भारतीय रेल की, बोगी भारतीय रेल की, ट्रेन का इंजन भारतीय रेल का, समय–सारणी हमारे प्रबंध में लगे अधिकारियों द्वारा सेट किया गया, तेजस को समय से चलाने की जिम्मेवारी हमारे भारतीय रेल के स्टेशन मास्टर एवं कंट्रोलर का लेंकिन परिचालन निजी हाथों में। इससे साफ प्रर्दर्शित होता है कि तेजस का परिचालन भारतीय रेल के हाथों में ही है लेकिन वाणिज्यिक उपलब्धी निजी हाथों में है। ऐसा प्रतीत होता है कि तेजस का परिचालन निजी हाथों में नहीं है बल्कि तेजस का परिचालन अभी भी भारतीय रेल के जिम्मे है। तेजस के साथ किसी भी घटना एवं दुर्घटना का जिम्मेवार अभी भी भारतीय रेल के परिचालन में लगे कर्मचारियों ही जिम्मेवार ठहराये जाएगें।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि तेजस का परिचालन का जिम्मेवार भारतीय रेल है और वाणिज्यिक कंट्रोल निजी हाथों में है। ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे ईम्प्लाईज एशोसिएशन की सलाह है कि जब तेजस का परिचालन भारतीय रेल के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है तो वाणिज्यिक हिस्सेदारी भी भारतीय रेल को होनी चाहिए।

महासचिव/ईसीआर/ओबीसी एशो0

'' मिर्जा गालिब ने कहा है कि आदमी को मयस्सर नहीं इन्सा होना। ''

जो व्यक्ति संगठन में मानवीय तत्व की महत्ता समझ लेता है उसके कदम सफलता की ओर अपने आप बढ़ जाते है। भारतीय रेल को देश की जीवन रेखा कहा जाता हे, हमारे देश में परिवहन का सबसे बड़ा साघन रेल ही जुटाती है, हमारे सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन को बहुत प्रभावित किया है,देश को एक सूत्र में बंधकर बिना किसी बाधा के देश के एक कोने से दुसरे कोने तक ले जाने की एक सुन्दर व्यवस्था रेल ने ही की है, रेल ने आम आदमी के लिए यात्रा सरल बनाया ।

उपक्रम का मुख्य उद्वेश्य ये चाहिए कि यात्री एवं माल रेल परिवहन संबंधी किसी क्षेत्र की मांग को पूरा करने में कम से कम व्यय कर रेल परिवहन को इस तरह व्यवस्थित हो कि रेल उपयोगकर्ताओ की आवश्यकताएं तथा परिचालन में संरक्षा हो, तेजस यात्री गाड़ी जो निजी ऐजेंसियों (आई.आर.सी.टी.सी) द्वारा पूर्णरूपेण स्वामितव के साथ चलाई जा रही है जो भारतीय रेल के कमाऊ रेल लाईन से चलाया जा रहा है जहां आधे आधे घंटे गाड़ियों को रोक कर इसे आगे बढ़ाया जाता है, किन्हीं कारणें से लाईन व सिग्नल में '' जो इलेक्ट्रानिक पद्धति से नियंत्रण होता है'' त्रुटि अचानक आ जाय तो भुक्तभोगी कर्मचारीगण होता है। भारत की पहली प्राईवेट गाड़ी जो लखनऊ से दिल्ली चल रही है,यहॉ लखनऊ दिल्ली रूट पर मौजूदा वक्त में लगभग 53 ट्रेने चलाई जा रही है , इस रूट की सबसे तेज प्रिमियम ट्रेन स्र्वण शताबदी है जिससे सफर करने में 6घंटा 30मिनट का समय लगता है और तेजस से 6घंटा 20मिनट यानि कोई चमत्कार नहीं यहां चमत्कार है तो टिकट दर का।

स्वर्ण शताब्दी ट्रेन में सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ सीनियर सिटीजन,बच्चे,महिला एवं रेलवे द्वारा समय पर दी जा रही सामान्य छुट प्राप्त है। लेकिन तेजस ट्रेन में यात्रियों को ऐसी कोई छुट प्राप्त नहीं है।

तेजस ट्रेन में किराया डायनेमिक सिस्टम पर लागू है जिसके कारण यात्रियों को कम समय में टिकट

लेने पर अधिक से अधिक किराया देना होता है यदि त्योहार आदि को छोड़ दे तो पूरी गाड़ी की सीट भरता भी नहीं। दर असल प्राईवेट आपरेटर को सिर्फ मुनाफे से मतलब होता है वह जानता है कि यात्री को इमरजेंसी में यात्रा करना हो तो स्वतः डायनेमिक फेयर देकर तेजस जैसे प्राइवेट गाड़ी से यात्रा कर सकता है जहॉ डायनेमिक फेयर की कोई सीमा नही है।

अतएव प्राइवेट ट्रेन तेजस गाड़ी ट्रेन से पहले ही भारतीय रेल द्वारा पहली सेमी हाइस्पीड ट्रेन तेजस का शुभ आरम्भ पूर्व रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु जी द्वारा 22 मई 2017 को मुम्बई से करमली के लिए किये सभी सुविधाओं से युक्त ये गाड़ी काफी पसंद की जा रही जो रेलवे द्वारा संचालित है।

तेजस ट्रेन के विषय में जो भी चर्चा हाते देखा गया कि पूरे विश्व में रेलवे ट्रेन को निजी क्षेत्र में चलाने के पक्ष में दी जाये दलील सच साबित नहीं हो सकी ,निजी ऐजेंसिया जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने से कोई सामाजिक लक्ष्य हासिल करना नहीं बल्कि मुनाफा कमाना है।

प्रमुवाप्र

यात्रियों की सुविधा एवं आय को बढ़ाने हेतु रेलवे द्वारा तेजस यात्री गाड़ी का प्रबंधन आई.आर.सी.टी.सी द्वारा कराने का निर्णय रेलवे बोर्ड द्वारा लिया गया है।

यह गाड़ी लखनऊ से नयी दिल्ली के बीच चलायी जा रही है जिसका संचालन एवं रख–रखाव रेलवे द्वारा किया जा रहा है। रेलवे द्वारा आई.आर.सी.टी.सी को Full Tariff rate(FTR) पर रेक उपलब्ध कराए गए है। केवल खानपान एवं यात्रियों के टिकट जांच तथा इसकी बुकिंग के कार्य का जिम्मा आई.आर.सी.टी.सी को दिया गया है।

प्रमुपरिप्र

रेलवे ने दिल्ली –लखनऊ तेजस एक्सप्रेस को आई.आर.सी.टी.सी को सौपा है। दिल्ली –लखनऊ तेजस एक्सप्रेस निजी ऑपरेटर द्वारा संचालित होने वाली देश की पहली ट्रेन है। इस ट्रेन का किराया आई.आर.सी.टी.सी तय करता है।

इनमें कोई छुट, विशेषाधिकार या ड्यटी पास की अनुमति नहीं दी गई है। आई.आर.सी.टी.सी को सौपी गई ट्रेनों में टिकट जांच का कार्य रेलवे स्टाफ द्वारा नहीं किया जाता है। उक्त ट्रेनों का एक अलग तरह का नंबर है और इन्हें रेलवे स्टाफ–लोको ,पायलट, गार्ड और स्टेशन मास्टर द्वारा परिचालित किया गया हैं। इस ट्रेन में शताब्दी ट्रेन जैसी सारी सुविधए मिलती है।

इस ट्रेन की निम्नलिखित विशेषताए है :–

परिचालनिक विशेषताएः

1. यह ट्रेन एल0बी0एच0 रेक से परिचालित होती हैं।
2. इसकी औसतन स्पीड 130 किलोमीटर प्रतिघंटे है।
3. इसमें AC Chair car और Excecutive Chair car के साथ साथ मनोरंजन हेतु LED TV, CCTV, Automatic Door जैसी सुविधाए मिलती है।

वाणिज्यिक विशेषताएः

1. कैटरिंग की भी व्यवस्था है।
2. इसका मूल भाड़ा सामान्य मेल /एक्सप्रेस ट्रेनों से 1.20 गुणा है। इसके अलावे, रिजर्वेशन , सुपरफास्ट कैटरिंग चार्ज अलग से लागू होता है।
3. मेल /एक्सप्रेस की तरह सामूहिक बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है।
4. 10% तत्काल कोटा की भी सुविधा है।

अभी केवल तीन तेजस ट्रेन चलाई जा रही हैं, और भविष्य में तीन और तेजस ट्रेन चलाने की योजना हैं।

प्रविस

- तेजस ट्रेन एक सेमी हाई स्मीड ट्रेन है जिससे यात्री को समय की बचत होगी।
- तेजस ट्रेन पर टिकट कैंसिलेशन पर प्रति/टिकट चार्ज कम है जो यात्री को आर्थिक सुविधा प्रदान करेगी।
- तेजस ट्रेन में हुई दुर्घटना की अधिकतम बीमा की रकम है प्रति यात्री–25 लाख रू,जो यात्री को आकर्षित कर सकते है।
- इस ट्रेन को पूर्णतः कार्पोरेट होने से सरकारी भागीदारी घटेगी।
- कार्पोरेट का चलन बढ़ने के कारण अनेकों कम्पनी इसमें हिस्सा लेगी जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगा जो यात्री के साथ – साथ भरतीय रेलवे के लिए भी फायदेमंद होगी।
- तेजस ट्रेन में यात्रियों के खान–पान, उनकी अमानती सामान की देखभाल, की जो उच्च कोटी की सुविधा दी जा रही है उससे यात्री आकर्षित हो सकते है।
- Online data से प्राप्त सूचना के आधार पर 26 दिन (October/2019) कि टिकट बिक्री से होने वाली कुल आमदनी 3.7 करोड़ रू है जिसमें शुद्व मुनाफा 70 लाख रू है जो एक अच्छा दृष्टिकोण को जाहिर करता है।
- तेजस ट्रेन के परिचालन में इसके गति को इसके आदर्शो के अतिरिक्त लाइन की मजबुती पर भी ध्यान दिया जाए।
- पूर्व मध्य रेलवे में इस प्रकार के ट्रेन का परिचालन न होने से इसके संबंध में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नही कराया जा सकता है, यदि वाणिज्यिक विभाग/पूर्व मध्य रेलवे के तरफ से इसके संबंध में यदि कोई प्रस्ताव आती है तो आगे जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

पिछला प्रेम बैठक (दिनांक 10.07.2019) के कार्यवृत पर मदवार टिप्पणी :–

क्र.सं.	मद	विभागाध्यक्ष	अभियुक्ति
1.0	**श्री विश्व मोहन सिंह , अध्यक्ष/ ईसीआरकेयू**		
1.1	दुर्घटना का कारण कर्मचारियों की कमी है जिसे शीघ्र पूरा किया जाय।	प्रमुकाधि,	• ग्रुप ''सी'' में कुल 493 सहायक लोको पायलट का पैनल आर.आर.बी., पटना एवं मुजफ्फरपुर से जुलाई ,2019 में प्राप्त हुआ है, जिसे मंडलों को आवंटित किया जा चुका हैं। • आरआरबी /रांची से कुल 904 सहायक लोको पायलट का पैनल का पैनल दिनांक 16.09.2019 को प्राप्त हो चुका हें,अभ्यर्थियों के मंडल आवंटन के पश्चात सभी मंडलों को पैनल उपलब्ध कराया जायेगा। • Earstwhile Gr. "D" कोटियों में कुल 4895 अभ्यर्थियों का पैनल जून 2019 में प्राप्त हुआ है,जिसे सभी मंडलों को आवंटित किया गया हैं।
		प्रमुविइं	आर0आर0बी0 के द्वारा भर्ती प्रक्रियाधीन है।
		प्रमुयांई	यह सतत प्रक्रिया है, रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा रनिंग संवर्ग में सलोपा एवं टेक्नीशियन का चयन प्रक्रिया चल रही है।
		प्रमुसिदूइं	कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए त्वरित कार्यवाही होनी चाहिए।
		प्रमुइं	आर.आर. बी द्वारा रिक्त ट्रैकमैन के पदों पर भर्ती की गयी है। शेष पदों पर भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है।
		प्रमुपरिप्र	नोट किया गया।
1.2	शंटिंग के प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाय। बिना शंटिंग आदेश के शंटिंग नहीं कराया जाय।	प्रमुपरिप्र	समय समय पर निर्देश जारी किया जाता है।
		प्रमुविइं	शंटिग कार्य में संलग्न रनिंग कर्मचारियों की निश्चित समय अंतराल पर प्रशिक्षण/पुनः प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ–साथ लोको निरीक्षकों द्वारा On Spot काउंसिलिंग भी की जाती है।
		प्रमुयांई	सोनपुर एवं समस्तीपुर मंडलों में शंटिंग नियमों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है, बिना शंटिंग आदेश के शंटिंग कार्य नहीं किया जाता है।
1.3	अधिकारीगण जब कभी भी स्टशनों के निरीक्षण पर जाय तो शंटिंग आदेश बुक की जांच जरूर करें ।	प्रमुपरिप्र मुसंधि	जांच किया जाता हैं। नोट किया गया।
1.4	बड़े स्टेशनों पर शंटिंग के लिए	प्रमुपरिप्र	उपलब्ध हैं एवं आवश्यकता अनुसार

	वाकी–टॉकी उपलब्ध कराई जाय।	प्रमुसिदूइं	इसकी मांग की जाती हैं। स्टोर विभाग द्वारा वर्तमान में वॉकी–टॉकी सेटों की आपूर्ति हेतु आपूर्ति आदेश **(P.O.)** जारी की गई है।
1.5	जब कभी भी सेफ्टी सेमीनार आयोजित हों तो उसमें यूनियन को भी शामिल किया जाय।	मुसंधि	नोट किया गया।
1.6	गिट्टी गाड़ी का अनलोडिंग पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए इसके लिए जो भी उचित प्रक्रिया हो अपनाया जाना चाहिए।	प्रमुइं, प्रमुपरिप्र	नोट किया गया। नोट किया गया।
2.0	**श्री एस.एन.पी.श्रीवास्तव, महासचिव/ईसीआरकेयू**		
2.1	दानापुर मंडलीय अस्पताल को सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाय।	मंरेप्र /दानापुर प्रमुचिनि	यह नीतिगत मामला है।
2.2	परिचालनिक कागजातों पर ट्रेन न0 अलग स्याही से मोटे–मोटे अक्षरों में लिखे जाय तथा संबंधित कागज हिंदी में ही होना चाहिए।	प्रमुपरिप्र, मुसंधि	इसका अनुपालन होता है। फिर भी इस संबंध में द्विभाषी करने का निर्देश जारी किया जा रहा है। नोट किया गया।
2.3	स्टेशन मास्टर द्वारा जारी की जाने वाली परिचालन से संबंधित दस्तावेजों पर गाड़ी नम्बर के ब्लॉक के ठीक नीचे ही चालक का हस्ताक्षर बॉक्स होने चाहिए एवं शट मैन का भी हस्ताक्षर लेना चाहिये।	प्रमुपरिप्र मुसंधि प्रमुविइं, प्रमुयांई	नए फार्म में इसका प्रावधान किया गया है। जो स्टॉकिंग प्रक्रिया है। नोट किया गया। लोको निरीक्षकों द्वारा समय–समय पर काउंसिलिंग की जाती है। अनुपालन सुनिश्चित की जाएगी।
2.4	शंटिंग मास्टर का पद भरा जाय।	प्रमुकाधि	Shunting Master के पद पदोन्नति द्वारा भरने पर त्वरित कार्रवाई हेतु सभी मंडलों को इस कार्यालय के पत्र दिनांक 19.09.2019 द्वारा निर्देशित किया गया है।
2.5	प्रशिक्षण संस्थानों की स्थिति ठीक नहीं है अतः इसे सुधार किया जाना आवश्यक हैं ।	प्रमुपरिप्र	प्रशिक्षण संस्थान में गुणात्मक सुधार हुआ है एवं सुधार प्रक्रिया निरंतर की जा रही है।
2.6	प्रत्येक एस एम पैनेल पर एसी की व्यवस्था किया जाय।	प्रमुपरिप्र, प्रमुविइं	यह नीतिगत मामला है। रेलवे बोर्ड के पत्र सं0 2012/Elect(G)/114/1 dt. 11/07/2018 के अनुसार एसएम पैनेल में एसी लगाने का प्रावधान नहीं है।
3.0	**श्री डी.के.पाण्डेय, अपर महासचिव, ईसीआरकेयू**		
3.1	धनबाद मंडल के प्रत्येक स्टेशन पर पीने का पानी की समुचित व्यवस्था की जाय।	मंरेप्र /धनबाद प्रमुइं	नोट किया गया एवं उपयुक्त कार्यवाही किया जायेगा। धनबाद मंडल के सभी स्टेशनों पर पीने का पानी की व्यवस्था है। और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।
3.2	शंटिंग के दौरान रेक के पीछे टिक–टिक आवाज करने वाली डिवाइस लगाई जाय।	प्रमुपरिप्र मुसंधि प्रमुसिदूइ	डिवाइस पांचो मंडलों में बाटी जा चुकी है। नोट किया गया। संबंधित विभाग द्वारा कार्यवाही अपेक्षित है।

4.0	**श्री एस.एस.डी.मिश्रा, सहायक महासचिव/ईसीआरकेयू**		
4.1	फतुहा यार्ड की डीडी लाईनों में सुधार किया जाय।	मंरेप्र /दानापुर	फतुहा यार्ड की डीडी लाईन न0 2, 3 एवं 4 का सुधार कर दिया गया है। शेष बचे हुए डीडी लाईन न0 1 के लिए कार्य स्वीकृत हो गया है। इसका भी कार्य 30.06.2020 तक कर दिया जायगा।
4.2	आरएनसीसी में राजधानी एक्सप्रेस खड़ी की जाने वाली लाईन के लिए ब्लॉक दिलाकर इसकी मरम्मत की जाय।	प्रमुइं, प्रमुपरिप्र प्रमुयांई	नोट किया गया। ब्लॉक का उचित प्रबंध किया जाएगा। यांत्रिक विभाग से संबंधित नहीं है।
4.3	आरएनसीसी में पीट लाईन की सफाई सुनिश्चित किया जाय ।	प्रमुइं प्रमुपरिप्र	आरएनसीसी में पीट लाईन की सफाई DEnHM कार्यालय के सहयोग से प्रबन्ध किया जा रहा है। पिट लाइन की सफाइ का दिशा निर्देश दिया गया है।
4.4	कम्प्यूटर से लाईन सेटिंग से संबंधित कमाण्ड को ऑडियो सिस्टम से जोड़ा जाय।	प्रमुपरिप्र प्रमुसिदूइं	इस संबंध में प्रमुसिदूइं महोदय को पत्र लिखा जा रहा है। ऑडियो सिस्टम में जोड़ने का औचित्य नहीं है।
5.0	**महेन्द्र कुमार, जोनल अध्यक्ष, एस.सी एण्ड एस.टी एशोसिएशन**		
5.1	एलएचवी कोच से अधिकाधिक गाड़ियां चलाई जाय।	प्रमुपरिप्र, प्रमुयांई	एलएचवी कोच का बटवारा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धरित किया जाता हैं । इसके लिए रेलवे बोर्ड से अनुरोध किया जाएगा। सहरसा डिपो से चलने वाली सभी प्राईमरी ट्रेनों में एलएचवी कोच चल रही है। जयनगर से तीन ट्रेने दरभंगा डिपों से तीन ट्रेने एलएचवी कोचों से चल रही है। रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार दरभंगा डिपों के ट्रेन सं0 12565 के शेष दो रेक एवं गाड़ी सं0 12577 सितम्बर 2019 तक एलएचवी में परिवर्तित हो जायेगी ।
5.2	रनिंग कर्मचारियों की सघन काउंसिलिंग की जाय।	प्रमुपरिप्र, प्रमुविइं, प्रमुयांई	निरीक्षण के दौरान काउंसिलिंग की जाती है तथा समय समय पर सेमिनार भी आयोजित किया जाता है। रनिंग कर्मचारियों की काउंसिलिंग एक सतत प्रक्रिया है, जो निरंतर चलती रहती है। रनिंग कर्मचारियों का सघन काउंसिलिंग कराई जा रही है।
5.3	रनिंग कर्मचारियों को समुचित विश्राम दिया जाय।	प्रमुपरिप्र, प्रमुविइं, प्रमुयांई	नियमानुसार दिया जाता है। नियमानुसार विश्राम सुनिश्चित किया जाता है। रनिंग कर्मचारियों को नियमों के अंतर्गत दिए गए प्रावधानों के अनुसार समुचित विश्राम दिया जाता है।
5.4	समय–समय पर संरक्षा गोष्ठी की जाय ।	मुसंधि	सभी मंडलो में समय–समय पर संरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया जाता है, जिसमें संरक्षा से जुड़े संबंधित कर्मचारी

			सम्मिलित होते है।
6.0	**श्री आर.एन.पासवान, जोनल सचिव एस.सी एण्ड एस.टी एशोसिएशन**		
6.1	वॉकी–टॉकी समुचित रूप से कार्यरत होना चाहिए तथा इसकी उपलब्धता सुनिश्चित किया जाय।	प्रमुपरिप्र, प्रमुसिदूइं	उपलब्ध है, तथा इसको दुरूस्त रखने के लिए संबंधित विभाग को पत्र लिखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड के पत्र सं. **2018/Trains/Cell/S&T/VHF** दिनांक 15/11/2018 और **PCSTE/O/O No. ECR/S&T/VHF/139/Pt.IV** दिनांक 16/11/2018 के तहत अनुरक्षण, खरीददारी और **WPC** में लाइसेंस प्राप्ति का लेना मंडलों के द्वारा करना है। पूराने **Requisition** (मांग–पत्र) के अनुसार 1329 संख्या का **PO** जारी किया गया है। आपूर्ति अपेक्षित है।
6.2	रेलवे अस्पतालों में पुरानी हो चुकी एक्सरे मशीनों को अद्यतन तकनीक से लैस मशीनों से बदला जाय।	प्रमुचिनि	प्रक्रियाधीन है।
7.0	**श्री प्रभात रंजन, महासचिव/ ईसीआरपीओए**		
7.1	लाईनों के किनारे की गाड़ियों एवं पेड़ों की टहनियों को हटा दिया जाना चाहिए।	प्रमुइं, प्रमुविइं	लाईनों के किनारे की झाड़ियों एवं पेडों की टहनियों को समय–समय पर काटा जाता है। ताकि विजिविलिटी क्लीयर रहे। समय–समय पर लाईन के किनारे पेड़ों की टहनियों की कटाई की जाती है।
8.0	**श्री दिनेश शर्मा , महासचिव, ईसीआर ओबीसीआरईए**		
8.1	BOBYN रेको के सभी डिब्बों के खोले जाने का सिस्टम ठीक होने चाहिए।	प्रमुइं, प्रमुपरिप्र, प्रमुयांई	नोट किया गया। नोट किया गया। BOBYN रेक को मेन्टेनेन्स के दौरान दरवाजा खोलने एवं बन्द करने के सिस्टम की बारीकी से परिक्षण किया जाता है। ठीक होने पर ही BOBYN वैगन को रेल में चलाया जाता है।
8.2	निरीक्षणों की गुणवत्ता एवं बारंबारता बनी रहनी चाहिए।	सभी प्रविभागाध्यक्ष	नोट किया गया। – **प्रमुविइं** इस कार्यालय द्वारा निष्पादित सभी प्रकार के निरीक्षण कार्यो की गुणवत्ता एवं बारंबारता को ध्यान में रखा जाता है। **–प्रविस** सिगनल इंजीनयिरिग मैनुअल के तहत निरीक्षण की प्रक्रिया एवं गुणवत्ता निर्धारित किया हुआ है। – **प्रमुसिदूइं** वाणिज्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए निरीक्षणों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है। सभी

			अपने शिड्यूल के अनुसार निरीक्षण करते है और निरीक्षण के दौरान पाई गई खामियों को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है। **–प्रमुवाप्र** निरीक्षणों की गुणवतता पर ध्यान दिया जाता है तथा इसकी बारंबारता जारी है। **– मुसंधि** अनुपाल किया जाता है।– **प्रमुचिनि** इसका ध्यान रखा जाता है।–**प्रमुपरिप्र** निरीक्षण को गंभीरता से लिया जाता है। तथा इसके द्वारा उठाये गये कमियों पर शीघ्र कार्यवाही की जा रही है।–**प्रमुइं**
8.3	समपारों के बूम पूरी तरह से खुलने पर ही सिगनल पीला होना चाहिए।	प्रमुसिदूइं	सिगनल इंजीनयिरिग मैनुअल के पैरा 14.2.10 के तहत यह सुनिशचित किया हुआ है।
9.0	**श्री एल.सी. त्रिवेदी, महाप्रबंधक, सह अध्यक्ष/प्रेम ग्रुप**		
9.1	TXR ,एवं PWI का एक ग्रुप बनाकर सभी BOBYN रेकों का जांच कर दरवाजा सही तरीके से खुलने लायक बनाया जाये जिससे असमान अनलोंडिंग से बचा जा सके जो कि अवपथन का मुख्य कारण है।	प्रमुइं, प्रमुयांई	नोट किया गया। संज्ञान में लिया गया।

*****